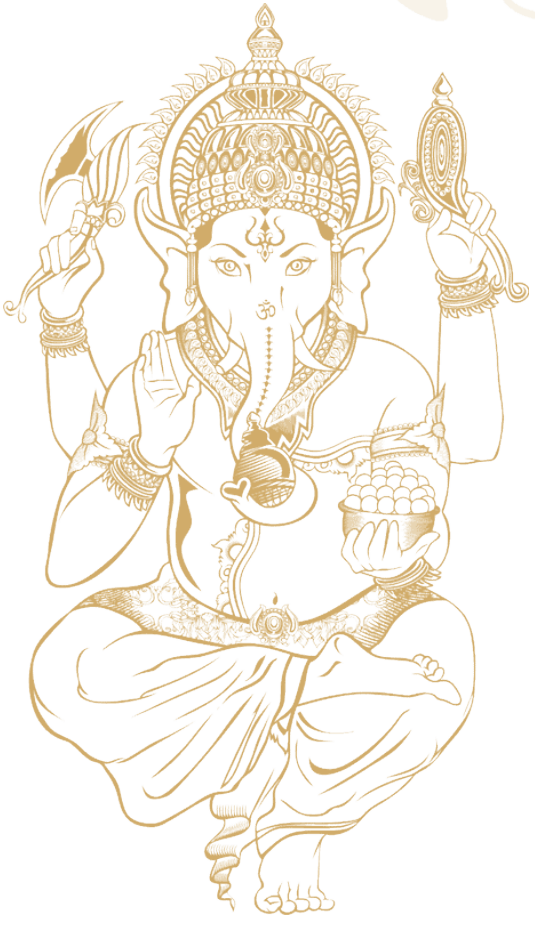

Ni malum

23 Dec 2004

03:00 AM

Khargone

Model: web-freekundliweb

Order No: 120857703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/12/2004**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	49:54:19 घटी
स्थान	**Khargone**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:49:00 उत्तर
रेखांश	75:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:32:36 घंटे
वेलान्तर	00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	08:39:41 घंटे
सूर्योदय	07:02:16 घंटे
सूर्यास्त	17:50:07 घंटे
दिनमान	10:47:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:28:04 धनु
लग्न के अंश	12:42:48 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:42:48	324:27:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			धनु	07:28:04	01:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	26:26:58	12:11:27	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	04:10:35	00:41:03	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	17:03:10	00:23:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु			कन्या	22:23:39	00:07:03	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	13:47:33	01:14:57	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि	व		कर्क	01:41:19	00:04:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	06:32:14	00:03:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:32:14	00:03:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:39:19	00:02:00	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:38:07	00:01:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:27:50	00:02:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	13:35:17	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:27

लग्न-चलित

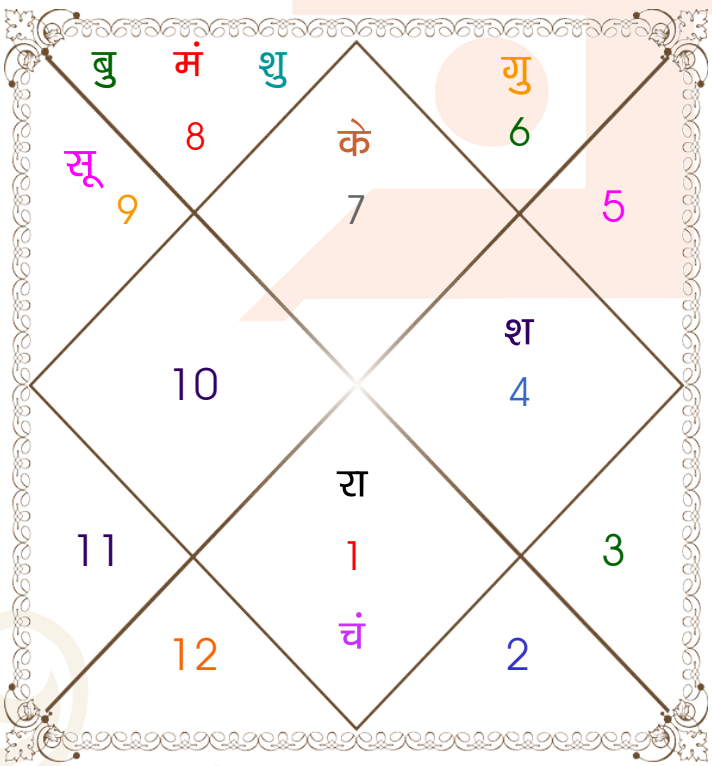

चन्द्र कुंडली

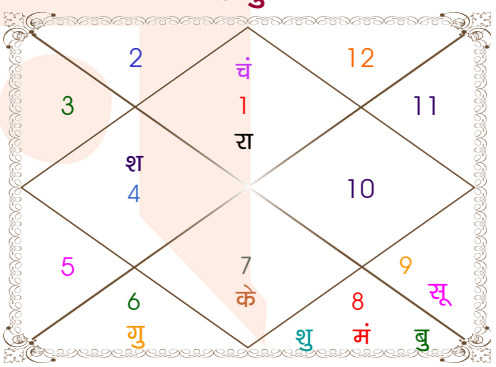

नवमांश कुंडली

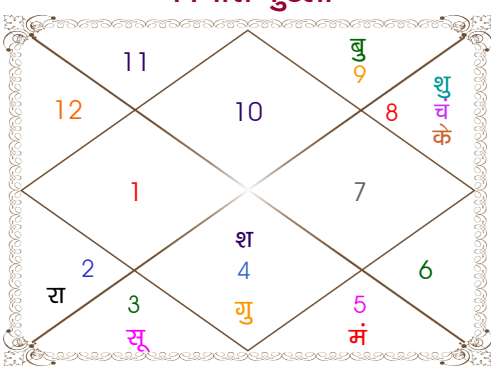

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 3 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/12/2004		21/04/2005		21/04/2011		21/04/2021		20/04/2028	
21/04/2005		21/04/2011		21/04/2021		20/04/2028		21/04/2046	
	00/00/0000	सूर्य	08/08/2005	चंद्र	20/02/2012	मंगल	17/09/2021	राहु	02/01/2031
	00/00/0000	चंद्र	07/02/2006	मंगल	20/09/2012	राहु	05/10/2022	गुरु	27/05/2033
	00/00/0000	मंगल	15/06/2006	राहु	21/03/2014	गुरु	11/09/2023	शनि	02/04/2036
	00/00/0000	राहु	09/05/2007	गुरु	21/07/2015	शनि	20/10/2024	बुध	21/10/2038
	00/00/0000	गुरु	26/02/2008	शनि	19/02/2017	बुध	17/10/2025	केतु	08/11/2039
	00/00/0000	शनि	07/02/2009	बुध	21/07/2018	केतु	15/03/2026	शुक्र	08/11/2042
	00/00/0000	बुध	14/12/2009	केतु	19/02/2019	शुक्र	16/05/2027	सूर्य	03/10/2043
	23/12/2004	केतु	21/04/2010	शुक्र	20/10/2020	सूर्य	20/09/2027	चंद्र	02/04/2045
केतु	21/04/2005	शुक्र	21/04/2011	सूर्य	21/04/2021	चंद्र	20/04/2028	मंगल	21/04/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/04/2046		21/04/2062		21/04/2081		21/04/2098		22/04/2105	
21/04/2062		21/04/2081		21/04/2098		22/04/2105		24/12/2124	
गुरु	08/06/2048	शनि	24/04/2065	बुध	17/09/2083	केतु	17/09/2098	शुक्र	21/08/2108
शनि	20/12/2050	बुध	02/01/2068	केतु	14/09/2084	शुक्र	17/11/2099	सूर्य	21/08/2109
बुध	27/03/2053	केतु	10/02/2069	शुक्र	15/07/2087	सूर्य	25/03/2100	चंद्र	22/04/2111
केतु	03/03/2054	शुक्र	11/04/2072	सूर्य	21/05/2088	चंद्र	24/10/2100	मंगल	21/06/2112
शुक्र	01/11/2056	सूर्य	24/03/2073	चंद्र	20/10/2089	मंगल	22/03/2101	राहु	22/06/2115
सूर्य	20/08/2057	चंद्र	24/10/2074	मंगल	18/10/2090	राहु	10/04/2102	गुरु	20/02/2118
चंद्र	20/12/2058	मंगल	02/12/2075	राहु	06/05/2093	गुरु	17/03/2103	शनि	22/04/2121
मंगल	26/11/2059	राहु	08/10/2078	गुरु	12/08/2095	शनि	24/04/2104	बुध	21/02/2124
राहु	21/04/2062	गुरु	21/04/2081	शनि	21/04/2098	बुध	22/04/2105	केतु	24/12/2124

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।